

आईपीओ बाजार के लिए 1996 के बाद

# दूसरी बार सबसे अच्छा रहा दिसंबर

सुंदर सेतुरामन  
मुंबई, 2 जनवरी

दिसंबर 2024 में 15 कंपनियों द्वारा अपने आईपीओ लाए जाने के साथ ही दिसंबर ऐसी पेशकशों की संख्या के संदर्भ में 1996 के बाद से सबसे शानदार महीना रहा। इन कंपनियों ने संयुक्त रूप से 25,425 करोड़ रुपये जुटाकर दिसंबर को जुटाई जाने वाली पूंजी की मात्रा के संदर्भ में भी शानदार महीना बना दिया। दिसंबर 1996 में 33 कंपनियों ने 931 करोड़ रुपये जुटाए थे।

वन मोबीव्किव सिस्टम्स ने 572 करोड़ रुपये जुटाए, विशाल मेगामार्ट ने 8,000 करोड़ रुपये, इंटरनैशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ने 4,225 करोड़ रुपये और डैम कैपिटल एडवाइजर्स ने 840 करोड़ रुपये जुटाए। ये ऐसे कुछ आईपीओ थे जो पिछले महीने बाजार में दमदार साबित हुए।

दिसंबर को सामान्य तौर पर आईपीओ के लिए सुस्त महीना माना जाता है, क्योंकि महीने के दूसरे पखवाड़े में होलिडे सीजन की वजह से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की दिलचस्पी घट जाती है। वर्ष 1997 से 2020 तक दिसंबर में आईपीओ की संख्या एक अंक में थी। लेकिन 2021 से हालात बदल गए और 2022 को छोड़कर बाकी तीन दिसंबर महीनों में 11 आईपीओ आए।

## कैपिटल इन्फ्रा इनविट और अधिग्रहण पर करेगा विचार

प्राची पिंसाल  
मुंबई, 2 जनवरी

**कैपिटल इन्फ्रा ट्रस्ट** (विगत में नैशनल इन्फ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट) भविष्य में और सड़क परिसंपत्तियों के अधिग्रहण पर विचार करेगा। ट्रस्ट के वरिष्ठ अधिकारियों व थर्ड पार्टी प्रोजेक्ट्स से यह जानकारी मिली। ट्रस्ट अपने पोर्टफोलियो का विस्तार हाइब्रिड पन्चुटी मॉडल (एचएएम) परिसंपत्तियों से आगे करना चाहता है, जिसमें निवेशकों की दिलचस्पी है। ट्रस्ट के सीईओ मनीश सतनालीवाला ने ये बातें कही। अभी सात राज्यों में ट्रस्ट की मौजूदगी है और ट्रस्ट का इरादा अपने पोर्टफोलियो का और इलाकों में विस्तार का है।

सीईओ ने कहा कि आगे के अधिग्रहण के लिए ट्रस्ट के पास थोड़ी और गुंजाइश है और वह कर्ज के जरिये कुछ परिसंपत्तियों का अधिग्रहण करेगा। उन्होंने कहा, उसके बाद हम इस साल के अखिर या अगले साल एक बार फिर बाजार में उतर सकते हैं। ट्रस्ट का आरंभिक सार्वजनिक निगम 7 जनवरी,

## देसी ऋण बाजार में उतार-चढ़ाव के हालात

बीएस संवाददाता  
मुंबई, 2 जनवरी

**नोमूरा** ने गुरुवार को एक रिपोर्ट में कहा कि सबप्राइम उधारकर्ता मुख्य रूप से उपभोक्ता ऋण ले रहे हैं, जबकि बेहतर स्थिति वाले लोग परिसंपत्तियां खरीदने के लिए कर्ज ले रहे हैं, जो भारत में ‘के-अनकार’ के ऋण बाजार का संकेत देता है। के-अनकार से यहां मतलब ऋण बाजार में उतार-चढ़ाव और भिन्नता से है।

आरबीआई द्वारा पिछले सप्ताह जारी वित्तीय स्थायित्व रिपोर्ट (एफएसआर) का हवाला देते हुए नोमूरा ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि मौजूदा घरेलू ऋण बढ़कर जीडीपी के 43 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो मार्च 2020 में जीडीपी के 35 फीसदी से अधिक है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है, ‘उपभोक्ता ऋणों की भागीदारी बढ़ रही है, जबकि परिसंपत्ति सुजन से जुड़े ऋणों की भागीदारी घट रही है।’

एफएसआर रिपोर्ट में, आरबीआई ने आगाह किया कि 50,000 रुपये से कम का पर्सनल लोन लेने वाले लगभग 11 प्रतिशत उधारकर्ताओं का ऋण बकाया है और उनमें से 60 प्रतिशत ने वित्त वर्ष 2025 के दौरान अब तक तीन से अधिक ऋण लिए हैं।

इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में पर्सनल लोन ले चुके करीब 60 फीसदी ग्राहकों के पास ऋण लेने के समय तीन से ज्यादा सक्रिय ऋण पहले से ही थे।



निवेश बैंकरों का कहना है कि इक्विटी बाजार में घरेलू संस्थागत प्रवाह, वर्ष के अंत की छुट्टियों के दौरान भी निवेशकों की कुछ हद तक दिलचस्पी बने रहने और लिस्टिंग के बाद दमदार रिटर्न के कारण दिसंबर में आईपीओ को सफलता मिली।

सेंट्रम कैपिटल में पार्टनर (इन्वेस्टमेंट बैंकिंग) प्रांजल श्रीवास्तव ने कहा, ‘इससे पहले, आईपीओ से पूंजी जुटाने का काम विदेशी निवेशकों द्वारा किया जाता था, जिसमें दिसंबर में नरमी आ जाती थी। लेकिन पिछले तीन वर्षों में, बाजार घरेलू निवेशकों पर केंद्रित हुआ है। इसके अलावा, धारणा मजबूत है और बैंकरों को अच्छी अच्छे सबस्क्रिप्शन का भरोसा है। एफपीआई सेकंडरी बाजारों में बिकवाली कर आईपीओ में भागीदारी कर रहे

हैं।’ वर्ष 2024 में, घरेलू संस्थागत निवेशक करीब 5.3 लाख करोड़ रुपये के शुद्ध खरीदार रहे और विदेशी निवेशकों ने प्राथमिक बाजारों में 1.2 लाख करोड़ रुपये की खरीदारी की, भले ही वे सेकंडरी बाजारों में 1.25 लाख करोड़ रुपये के शुद्ध बिकवाल रहे।

बैंकरों का कहना है कि निगमों के मूल्य ने निवेशकों के लिए उन्हें ऐसे समय में आकर्षक बना दिया जब सेकंडरी बाजार में महंगे मूल्यांकन को लेकर चिंताएं थीं।

इक्विट्स के प्रबंध निदेशक एवं प्रमुख (इक्विटी कैपिटल मार्केट्स) मुनीश अग्रवाल ने कहा, ‘आईपीओ में बड़ी तादाद में निवेशक शामिल हैं क्योंकि रिटर्न की संभावना बेहतर है। मूल्यांकन भी उचित था, कम से कम आईपीओ चरण में, हालांकि

### दिसंबर में दिखा

### दम

■ 15 कंपनियों ने दिसंबर में 25,425 करोड़ रुपये जुटाए

■ दिसंबर 1996 में 33 कंपनियों ने 931 करोड़ रुपये जुटाए थे

■ दिसंबर को सामान्य तौर पर आईपीओ के लिए सुस्त महीना माना जाता है

सूचीबद्धता के बाद आई तेजी ने संभवतः इन शेयरों को महंगा बना दिया है।’

2024 प्राथमिक बाजार के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष था और इसमें बड़ी तादाद में आईपीओ आए। ये आईपीओ मेनबोर्ड और एसएमई सेगमेंट, दोनों से जुड़े हुए थे। 91 कंपनियों ने मेनबोर्ड आईपीओ से 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाए, जो 2021 में जुटाई गई 1.19 लाख करोड़ रुपये की रकम से ज्यादा है। वहीं 240 कंपनियों ने एसएमई प्लेटफॉर्म के जरिये 8,757 करोड़ रुपये जुटाए, जबकि 2023 में ऐसे 182 निगमों से 4,686 करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

वर्ष 2024 में आए मेनबोर्ड आईपीओ में ह्यूंडै मोटर इंडिया का 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ सबसे बड़ा था।

## सेबी ने खारिज की जी, गोयनका की निपटान याचिका

खुशबू तिवारी  
मुंबई, 2 जनवरी

**जी एंटरटेनमेंट** की जांच के मामले में बाजार नियामक सेबी ने कंपनी और उसके मुख्य कार्याधिकारी पुनीत गोयनका की तरफ से दाखिल निपटान आवेदन को खारिज कर दिया है।

इसके अलावा नियामक ने इस मामले में जांच का दायरा बढ़ा दिया है, जिसके तहत मीडिया फर्म के पूर्व चेयरपर्सन सुभाष चंद्रा भी जांच के घेरे में हैं। गुरुवार को जारी न्यायिक आदेश में सेबी ने कहा है कि जी व गोयनका ने लिस्टिंग ऑब्लिगेशन ऐंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट (एलओडीआर) नियमन के कथित उल्लंघन के मामले में निपटान आवेदन दाखिल किया था। सेबी ने इस पर जुलाई 2022 में कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

सेबी के आदेश में कहा गया है, पूर्णकालिक सदस्यों की समिति ने निपटान आवेदन खारिज कर दिया और आगे की जांच के लिए मामला सेबी के पास भेज दिया। इस संबंध में पाया गया है कि मामले की जांच पूरी होने के बाद सक्षम प्राधिकार ने नोटिस पाने वाले के खिलाफ सेबी अधिनियम 1992 की धारा 11 बी के तहत आगे बढ़ने का फैसला लिया है। बाजार नियामक ने कहा है कि जुलाई 2022 के कारण बताओ नोटिस में लगाए गए आरोप को सेबी की तरफ से होने वाले आगे की जांच



में मिले तथ्यों के साथ जोड़ दिया जाएगा।

इसमें कहा गया है कि जांच रिपोर्ट और भरोसे वाले दस्तावेजों को आगे की जांच का अहम हिस्सा माना जाएगा और वित्त में जारी कारण बताओ नोटिस को इस मामले में आगे जारी होने वाले नोटिस के साथ शामिल किया जाएगा। अगस्त 2023 में जारी आदेश में सेबी ने चंद्रा और उनके बेटे पुनीत गोयनका को समूह की

चार फर्मों में अहम पद लेने से रोक दिया था। जून 2023 में सेबी ने एक्सेल समूह की फर्म शिपपुर गोल्डरिफाइन्स की प्रवर्तकों की तरफ से कथित धोखाधड़ी वाले कदम उठाने और रकम की हेराफेरी का आरोप लगाया था।

संस्थापकों के खिलाफ सेबी की कार्रवाई ने जी का जापान की सोनी की भारतीय इकाई के साथ विलय को विफल कर दिया था।

बाजार नियामक चंद्रा और उनके बेटे पुनीत गोयनका की तरफ से की गई रकम की कथित हेराफेरी की जांच कर रहा है। शुरुआती आदेश लेंटर ऑफ कंफर्ट (एलओसी) प्रदान करने को लेकर जारी हुआ था, जो 2,000 करोड़ रुपये का है। हालांकि सेबी ने प्रतिभूति अपील पंचाट से कहा है कि और एलओसी जांच के घेरे में है, जिसमें से एक एक्सेल समूह के चेयरमैन के तौर पर चंद्रा की तरफ से जारी 4,210 करोड़ रुपये का एलओसी शामिल है।

## इंडो फार्म इक्विपमेंट के आईपीओ को मिली 227.57 गुना बोली

फार्म इक्विपमेंट के आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) को अंतिम दिन 227.57 गुना बोली मिली। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, 260 करोड़ रुपये की शुरुआती शेयर बिक्री में 84,70,000 शेयरों की पेशकश के मुकाबले 1,92,75,49,293 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। गैर-संस्थागत निवेशकों के हिस्से को 501.65 गुना बोली मिली। पात्र संस्थागत खरीदारों की श्रेणी में 242.40 गुना आवेदन मिले, जबकि खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों की श्रेणी को 101.64 गुना बोली मिली।

### कैलिबर माइनिंग लाएगी 600 करोड़ रुपये का आईपीओ

कैलिबर माइनिंग ऐंड लॉजिस्टिक्स ने गुरुवार को सेबी के पास विवरणिका का मसौदा जमा कराया। कंपनी आईपीओ के जरिये 600 करोड़ रुपये जुटाएगी। कंपनी को सुनील सिंघानिया की परिसंपत्ति प्रबंधन फर्म अवेकरस का समर्थन हासिल है, जिसके पास उसके फंडों के जरिये करीब 3.89 फीसदी हिस्सेदारी है। आईपीओ में 500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी होंगे जबकि 100 करोड़ रुपये के शेयर प्रवर्तक बेचेंगे।

सार्वजनिक सूचना
<div></div> <div><b>मैग्मा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड</b></div> <div>(पूर्ववर्ती मैग्मा एचडीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड)</div> <div>रजिस्टर्ड ऑफिस<span> </span>: डेवलपमेंट हाउस, 24 पार्क स्ट्रीट, कोलकाता – 700016, पश्चिम बंगाल</div> <div>कॉर्पोरेट आईडेंटिफिकेशन नंबर<span> </span>: U66000WB2009PLC136327</div> <div>वेबसाइट<span> </span>: www.magmainurance.com</div> <div>टोल फ्री<span> </span>: 1800 266 3202</div>
<p>एतद्वारा सूचित किया जाता है कि <b>02, जनवरी, 2025</b> से हमारी कंपनी का नाम मैग्मा एचडीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से बदल कर मैग्मा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड हो गया है।</p> <p>कृपया ध्यान दे कि कंपनी के नाम के अलावा पॉलिसी कॉन्ट्रैक्ट के नियमों व शर्तों तथा/या कंपनी द्वारा पेश की गई सेवाओं में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।</p> <p>किसी पूछताछ या स्पष्टीकरण के लिए, हमारे कस्टमर सर्विस से <b>customercare@magmainurance.com</b> या <b>1800 266 3202</b> पर संपर्क करें।</p> <p><b>कृते मैग्मा जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड</b></p> <p>ह/–</p> <p>दिनांक<span> </span>: 02 जनवरी, 2025 <span style="float:right">स्वाति सिंह</span></p> <p>स्थान<span> </span>: मुंबई <span style="float:right">कंपनी सेक्रेटरी</span></p>

# सेबी ने केतन पारेख की फ्रंट रनिंग स्कीम का किया खुलासा

खुशबू तिवारी

मुंबई, 2 जनवरी

**बाजार** नियामक सेबी ने साल 2000 में हुए शेयर बाजार घोटाले में शामिल केतन पारेख, सिंगापुर के ट्रेडर रोहित सलगांवकर और एक अन्य व्यक्ति को अमेरिकी एफपीआई के कथित फ्रंट रनिंग ट्रेड को लेकर प्रतिभूति बाजार में प्रवेश से रोक दिया है। एफपीआई दुनिया भर में करीब 2.5 अरब डॉलर के फंडों का प्रबंधन करता है।

22 व्यक्तियों व इकाइयों के खिलाफ 188 पेज के अंतरिम आदेश में बाजार नियामक ने ऐसी कथित योजना के जरिये की गई 65.77 करोड़ रुपये की अवैध कमाई जमा कराने का निर्देश दिया है। सेबी ने 22 इकाइयों के बैंक खाते भी जब्त कर लिए हैं। सेबी के तथ्यों से पता चलता है कि पारेख व सलगांवकर करीब 2.5 साल से कथित फ्रंट रनिंग स्कीम चला रहे थे और सूचनाओं पर आधारित ट्रेड की पहचान के लिए नए अलर्ट मॉडल के बाद ये पकड़े गए।

बाजार नियामक ने आरोप लगाया है कि पारेख (जिन्हें साल 2000 में शेयर बाजार घोटाले में उनकी भूमिका के कारण शेयर बाजार में प्रवेश पर 14 साल की रोक लगाई गई थी) ने फ्रंट रनिंग ट्रेड के लिए नया तरीका बनाया ताकि नियामकीय घेरे से बाहर रह सके।

सलगांवकर ने एफपीआई के आगामी ट्रेड को लेकर सूचनाएं मुहैया कराई और इस पर पारिख ने कोलकाता में विभिन्न सहायकों के जरिये पोजीशन बनाई।

सलगांवकर का मोतीलाल ओसवाल फाइनैशियल सर्विसेज व नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट के साथ रेफरल एग्रीमेंट था, जिसके जरिये अमेरिकी एफपीआई के ट्रेड उन्हें रेफर किए जाते हैं। सेबी ने जून 2023 में अन्य अधिकरणों के साथ संयुक्त जांच के तहत 17 परिसरों

में तलाशी व जब्ती अभियान चलाया था।

सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश वाणेय ने आदेश में कहा है, एफपीआई जैसे बड़े क्लाइंटों के ट्रेडर रोहित सलगांवकर के साथ चर्चा करते थे ताकि उनकी ट्रेडिंग के लिए क्वांटर पार्टी सुनिश्चित हो, और रोहित सलगांवकर उस सूचना का इस्तेमाल केतन पारिख को जानकारी देकर अवैध कमाई में करते थे। जब सूचना केतन पारिख तक पहुंच जाती थी तब वह अलग-अलग

खातों के जरिये व्यवस्थित ट्रेड को अंजाम देते थे, जिससे संचयी तौर पर अवैध लाभ सृजित हुए। अंतरिम कार्रवायों की जरूरत बताते हुए आदेश में कहा गया है कि पिछले घोटाले में पारेख शामिल थे और वह आदतन अपराधी हैं। इस आदेश में जिन 22 इकाइयों का जिक्र है उनमें फ्रंट रनर्स, स्टॉक ब्रोकर, इसमें सहयोग देने वाले और कई अन्य फर्मों के निदेशक शामिल हैं।

पारिख फ्रंट रनर्स को अलग-अलग नामों से पंजीकृत मोबाइल फोन के जरिये निर्देश देते थे और वे जैक, जॉन, बॉस व भाई आदि नाम से जाने जाते थे। पहचान की पुष्टि के लिए बाजार नियामक ने मोबाइल फोन के चैट, संदेश और लोकेशन के अलावा आईएमईआई नंबरों, होटल की बुकिंग और जन्मदिन के संदेश का विश्लेषण किया।

इकाइयों के बीच रकम का हस्तांतरण आंग्रिडिये यानी नकदी लेनदेन के अनाधिकारिक चैनलों के जरिये हुए। सेबी ने आदेश की प्रति नुवामा और मोतीलाल ओसवाल को भेजा है ताकि ऐसे उल्लंघन को रोकने की खातिर वे अपने आंतरिक नियंत्रण की मजबूती की खातिर उचित कदम उठा सकें। पारिख को साल 2000 के शेयर घोटाले में कीमतों के जोड़तोड़ व सफ़ुलर ट्रेडिंग में अपराधी ठहराया गया था।

A B COTSPIN INDIA LIMITED																													
Registered Office: NH-54, Goniana Road, Near Lake-3, Bathinda, Punjab - 151001, India Ph. No.: 01635-232670 E-mail ID: cs@abcotspin.in Website: www.abcotspin.co.in CIN: L17111PB1997PLC020118																													
Recommendations of the Committee of Independent Directors (‘IDC’) for the Open Offer to the Shareholders of A B Cotspin India Limited (hereinafter referred to as <b>‘the Company’/ ‘Target Company’</b> ) by Mr. Abhey Jindal, Mrs. Suvarna Jindal, Mrs. Sanya Jindal and Mrs. Renu Jindal (hereinafter collectively referred to as <b>‘Acquirers’</b> and along with Shree Jindal Sova Private Limited (hereinafter referred to as <b>‘PAC’</b> ) under Regulation 26(7) of Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 ( <b>‘SEBI (SAST) Regulations, 2011’</b> ).																													
1.	Date	January 02, 2025																											
2.	Name of the Company	A B Cotspin India Limited																											
3.	Details of the Offer pertaining to the Company	Open Offer to acquire upto 26,75,972 (Twenty Six Lakh Seventy Five Thousand Nine Hundred and Seventy Two) fully paid-up Equity Shares representing 26.00% of the total paid-up equity share capital of the Target Company at a price of INR 236.00 (Indian Rupees Two Hundred and Thirty Six Only) per fully paid-up equity share payable in cash																											
4.	Name of the Acquirers	<ul style="list-style-type: none"> <li>Mr. Abhey Jindal</li> <li>Mrs. Suvarna Jindal</li> <li>Mrs. Sanya Jindal</li> <li>Mrs. Renu Jindal</li> </ul>																											
5.	Name of the PAC	Shree Jindal Sova Private Limited																											
6.	Name of the Manager to the Offer	Corporate Professionals Capital Private Limited																											
7.	Members of the Committee of Independent Directors	Mr. Puneet Bhandari- Chairperson Ms. Freest Bhatia-Member																											
8.	IDC Member’s relationship with the Company	The IDC members are Independent Directors of the Company.																											
9.	Trading in the Equity shares/ other securities of the Company by IDC Members	None of the IDC members hold any shares of the Company and neither have they traded in any equity shares / other securities of the Company during a period of 12 months prior to the date of Public Announcement and since then till date.																											
10.	IDC Member’s relationship with the Acquirer	The IDC members do not have any relationship with the Acquirers or PAC.																											
11.	Trading in the Equity shares/ other securities of the Acquirer by IDC Members	Not Applicable																											
12.	Recommendation on the Open offer, as to whether the offer is fair and reasonable	Based on the review of the Public Announcement and the Detailed Public Statement issued by the Manager to the Offer on behalf of the Acquirers, IDC believe that the Open Offer is in accordance with SEBI (SAST) Regulations, 2011 and to that extent is fair and reasonable.  The shareholders should independently evaluate the offer and take their own informed decision. They are also advised to seek expert tax opinion before taking their decision in this regard.																											
13.	Summary of reasons for recommendation	This Open Offer is made to the Public Shareholders of the Target Company pursuant to acquisition of shares by the Acquirers in the past which triggered the requirement to make an open offer and thus Acquirers is making a delayed open offer to rectify the past non-compliances of SEBI (SAST) Regulations. Further, as on the date of PA, the Acquirers along with PAC intends to acquire control over the Target Company along with the Existing Promoters of the Target Company, thereby triggering the requirement to make an open offer in terms of Regulation 4 of SEBI (SAST) Regulations.  The equity shares of the Company are listed and traded on the bourses of Emerge Platform of NSE and are frequently traded within the meaning of definition of ‘frequently traded shares’ under clause (i) of Sub-Regulation (1) of Regulation 2 of the SEBI (SAST) Regulations), 2011.  The Offer price calculated for past transactions for which the Acquirers failed to make an Open Offer are as follows: <table border="1"> <thead> <tr> <th>Transaction</th><th>Regulation Violated</th><th>Offer Price</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>Transaction I</td><td>3(1)</td><td>57.60 (including interest)</td></tr> <tr> <td>Transaction II</td><td>3(2)</td><td>57.80 (including interest)</td></tr> </tbody> </table> <p>The Offer Price calculated in terms of Regulation 8(2) of the SEBI (SAST) Regulations as on the date of making PA, i.e., September 11, 2024 is as follows:</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>S. No.</th><th>Particulars</th><th>Price</th></tr> </thead> <tbody> <tr> <td>(a)</td><td>The highest negotiated price per share of the target company for any acquisition under the agreement attracting the obligation to make a public announcement of an open offer</td><td>NA</td></tr> <tr> <td>(b)</td><td>The volume-weighted average price paid or payable for acquisition by the Acquirers along with their persons acting in concert during 52 weeks immediately preceding the date of Public Announcement</td><td>INR 128.95/-</td></tr> <tr> <td>(c)</td><td>The highest price paid or payable for any acquisition by the Acquirers along with their persons acting in concerts during 26 weeks immediately preceding the date of the Public Announcement</td><td>INR 223.05/-</td></tr> <tr> <td>(d)</td><td>The volume-weighted average market price of shares for a period of sixty trading days immediately preceding the date of the public announcement as traded on the stock exchange where the maximum volume of trading in the shares of the target company are recorded during such period, provided such shares are frequently traded</td><td>INR 235.88/-</td></tr> <tr> <td>(e)</td><td>The Equity Shares are not frequently traded, the price determined by the Acquirer and the Manager to the Offer considering valuation parameters including book value, comparable trading multiples, and such other parameters as frequently traded are customary for valuation of shares of such companies</td><td>Not Applicable, since the equity shares are frequently traded</td></tr> </tbody> </table> <p>Therefore, The Offer Price of INR 236.00/- (Indian Rupees Two Hundred and Thirty Six Only) is justified, in terms of Regulation 8(2) of the SEBI (SAST) Regulations, being the highest of the offer price calculated for triggering events pursuant to Transaction I, Transaction II and as on the date of PA in terms of SEBI (SAST) Regulations.</p>	Transaction	Regulation Violated	Offer Price	Transaction I	3(1)	57.60 (including interest)	Transaction II	3(2)	57.80 (including interest)	S. No.	Particulars	Price	(a)	The highest negotiated price per share of the target company for any acquisition under the agreement attracting the obligation to make a public announcement of an open offer	NA	(b)	The volume-weighted average price paid or payable for acquisition by the Acquirers along with their persons acting in concert during 52 weeks immediately preceding the date of Public Announcement	INR 128.95/-	(c)	The highest price paid or payable for any acquisition by the Acquirers along with their persons acting in concerts during 26 weeks immediately preceding the date of the Public Announcement	INR 223.05/-	(d)	The volume-weighted average market price of shares for a period of sixty trading days immediately preceding the date of the public announcement as traded on the stock exchange where the maximum volume of trading in the shares of the target company are recorded during such period, provided such shares are frequently traded	INR 235.88/-	(e)	The Equity Shares are not frequently traded, the price determined by the Acquirer and the Manager to the Offer considering valuation parameters including book value, comparable trading multiples, and such other parameters as frequently traded are customary for valuation of shares of such companies	Not Applicable, since the equity shares are frequently traded
Transaction	Regulation Violated	Offer Price																											
Transaction I	3(1)	57.60 (including interest)																											
Transaction II	3(2)	57.80 (including interest)																											
S. No.	Particulars	Price																											
(a)	The highest negotiated price per share of the target company for any acquisition under the agreement attracting the obligation to make a public announcement of an open offer	NA																											
(b)	The volume-weighted average price paid or payable for acquisition by the Acquirers along with their persons acting in concert during 52 weeks immediately preceding the date of Public Announcement	INR 128.95/-																											
(c)	The highest price paid or payable for any acquisition by the Acquirers along with their persons acting in concerts during 26 weeks immediately preceding the date of the Public Announcement	INR 223.05/-																											
(d)	The volume-weighted average market price of shares for a period of sixty trading days immediately preceding the date of the public announcement as traded on the stock exchange where the maximum volume of trading in the shares of the target company are recorded during such period, provided such shares are frequently traded	INR 235.88/-																											
(e)	The Equity Shares are not frequently traded, the price determined by the Acquirer and the Manager to the Offer considering valuation parameters including book value, comparable trading multiples, and such other parameters as frequently traded are customary for valuation of shares of such companies	Not Applicable, since the equity shares are frequently traded																											
1.	Details of Independent Advisors, if any.	None																											
2.	Any other matter(s) to be highlighted	None																											

"To the best of our knowledge and belief, after making proper enquiry, the information contained in or accompanying this statement is, in all material respect, true and correct and not misleading, whether by omission of any information or otherwise, and includes all the information required to be disclosed by the Company under the Takeover Code."

For and on behalf of  
The Committee of Independent Directors  
of A B Cotspin India Limited

Place: Punjab  
Date: January 03, 2025

Puneet Bhandari  
Chairperson - Committee of Independent Directors